MAHARASHTRA STATE COUNCIL OF EXAMINATION, PUNE

Government Commercial Certificate Examination

4 JULY, 2018

[Time : 11-30]

(Total Marks for Sections I and II : 100)

HINDI TYPEWRITING

(40 Words Per Minute)

SECTION - II

(Time Allowed : 7 Minutes)

हिंदी टंकलेखन

(४० शब्द प्रति मिनट)

विभाग - २

(समय : ७ मिनट)

सूचना : निम्नांकित गद्यखंड को दोहरे अंतर में टंकलिखित करें । गद्यखंड को दुबारा टंकलिखित न करें। बायी ओर १५ स्पेस का हाशिया (मार्जिन) छोडिए ।

[अंक : ४०]

भारत के पूर्व राष्ट्रपति व महान वैज्ञानिक ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को "मिसाईल मैन" के नाम से जाना जाता है । उनका जन्म १५ अक्तूबर, १९३१ को तामिलनाडू में हुआ । एक मध्यम वर्गीय परिवार से होने के बावजूद उन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त की ताकि भारत के तकनीकी विकास में हाथ बंटा सकें । उनका पूरा नाम अबुल पाकिर जैनुलअब्दीन अब्दुल कलाम है । उनके नेतृत्त्व में त्रिशूल, पृथ्वी, धनुष व आकाश आदि मिसाइलों का सफल प्रक्षेपण किया गया । राष्ट्रपति बनने से पूर्व वे तत्कालीन प्रधानमंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार भी रहे । भारत को परमाणुशक्ती संपन्न राष्ट्र बनाने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई ।

भारत के राष्ट्रपति बनने के बाद उन्होंने जनता को यह विश्वास दिलाने का पूरा प्रयत्न किया कि भारतवासियों की क्षमता किसी से भी कम नहीं है । यदि हम सब चाहें तो इस राष्ट्र को विकसित राष्ट्रों की पंक्ति में खड़ा कर सकते हैं । एक राष्ट्रपति के रूप में उनकी उपलब्धियाँ वास्तव में प्रशंसनीय है । वे एक ऐसा व्यक्तित्त्व है, जो आने वाले कल के सुनहरे निर्माण के लिए कटिबद्ध है । वे लोगों द्वारा इतने सराहे जाते है कि अपने कार्यकाल में "पीपल प्रेसीडेंट" के नाम से जाने जाते है ।

स्वदेशी रॉकेट प्रणाली विकसित करनेवाले कलाम २०२० तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के मिशन पर दिनरात कार्यरत है । जब उन्होंने राष्ट्रपति पद की शपथ ली तो समारोह में स्कूली बच्चों को भी शामिल किया । उन्होंने नई पीढ़ी को संदेश दिया की अपने अपने सपनें तथा इरादे ऊँचे रखो । स्वप्नदर्शी युवा पीढ़ी ही आने वाले कल को सुनहरा बना सकती है क्योंकि उसमें अद्‌भुत लगन व कर्मठता होती है ।

अनेक विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थाओंने उन्हे मानद उपाधि प्रदान कर अपनी संस्था का नाम बढ़ाया ।